हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, सोमवार, 29 अप्रैल 2024

11 स्कूल बस चालक व परिचालकों को दिया प्रशिक्षण

12 लीकेज के कारण हजारों लीटर पानी हो रहा बर्बाद ...

खबर संक्षेप

सरसों चोरी के मामले में दूसरा आरोपित गिरफ्तार

भिवानी। थाना शहर पुलिस भिवानी ने सरसों चोरी करने के मामले में आरोपित को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। अमित निवासी भिवानी ने थाना शहर पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई थी जिसमें शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि उन्होंने चारा मंडी भिवानी में सरसों खरीद कर रखी हुई है। रात को क्रेटा सवार लड़के उनके सरसों के कट्टों को चोरी करके ले गए। थाना शहर भिवानी के अंतर्गत पुलिस चौकी अनाज मंडी के मुख्य सिपाही उधम सिंह ने सरसों के कट्टे चोरी करने के मामले में दूसरे आरोपित को महताब दास चौक भिवानी से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपित की पहचान शुभम निवासी बिचला बाजार, भिवानी के रूप में हुई है।

सट्टा खाईवाली करते आरोपित गिरफ्तार

भिवानी। पुलिस की सीआईए स्टाफ 2 टीम ने एक व्यक्ति को सरेआम सट्टा खाईवाली करते हुए पकड़ा है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सीआईए टू के सहायक उप निरीक्षक रमेश कुमार अपनी टीम के साथ गश्त पड़ताल ड्यूटी जूई कला मौजूद थे। जो पुलिस टीम को विश्वसनीय सूत्रों से सूचना प्राप्त हुई की बाढडा रोड जुई पर व्यक्ति सरेआम सट्टा खाईवाली कर रहा है। पुलिस टीम ने बताए गए स्थान पर रेड करके व्यक्ति को सरेआम सट्टा खाईवाली करते गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपित की पहचान महिपाल पुत्र हंसराम निवासी जूई खुर्द, जिला भिवानी के रूप में हुई है। जांच इकाई के द्वारा आरोपी से सट्टा पर्ची व 10840 रुपये बरामद किए गए हैं।

गैर मान्यता प्राप्त निजी स्कूलों को नोटिस जारी

बवानीखेड़ा। खंड बवानी खेड़ा में चल रहे गैर मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों पर विभाग ने कार्यवाही करना शुरू कर दिया है। मामला कनीना हादसे के बाद और तेज हो चुका है जिसको लेकर अधिकारी भी पूरी तरह से गहनता करके फूंक-फूंककर कदम रख रहे हैं और खंड के ऐसे विद्यालयों को नोटिस जारी कर दिए हैं और बताया गया है कि उच्चाधिकारियों के आदेशों की पालना करते हुए ऐसे विद्यालयों के नाम समाचार पत्रों में दिए जाएंगें जो गैर मान्यता व धर्मशालाओं में चल रहे हैं। जिसको लेकर कस्बा के ऐसे निजी विद्यालयों में हड़कंप मचा हुआ है। वहीं विभाग द्वारा ऐसे निजी विद्यालयों के कंडम वाहनों की भी जांच कर जानकारी एकत्रित कर ली है और उन पर भी कार्यवाही का मन बनाया हुआ है। कार्यकारी बीईओ आनंद शर्मा ने बताया कि विभाग के आदेशानुसार गैर मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों को नोटिस जारी किए गए हैं।

बदलते मौसम ने बिगाड़ दी कपास की फसल की सेहत

छोटे पौधों को मरोड़ियां बीमारी ने जकड़ना किया शुरू, मुड़ने लगी पत्तियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

रोजाना बदल रहे मौसम के मिजाज का असर केवल रबी की फसलों पर ही नहीं,बल्कि खरीफ की फसलो पर भी असर पड़ने लगा है। हालंही में किसानों ने अपने खेतों में कपास की फसल की बिजाई की है,लेकिन रोजाना बादलवाई व मौसम में ज्यादा नमी के चलते कपास के पौधों को मरोड़ियां(पत्तों के मुड़ने का रोग) ने जकड़ना आरंभ कर दिया है। हालात ये बने है कि कपास के पौधों पर दो से तीन पत्तियां ही आई है, जो कि सभी मुड़ने लगी है। अगर यही स्थिति रही तो ये कपास के पौधे कुछ ही दिनों में अपने आप की सूखने लग जाएंगे।

किसानों ने सरसों फसल की कटाई के बाद कपास की बिजाई की है। कपास के पौधे अंकुरित होने लगे है,लेकिन मौसम का लगातार मिजाज बदल रहा है। मौसम के मिजाज के बदलने की वजह से वातावरण में जबदरस्त नमी बन गई है। नमी के चलते कपास के पौधों में पत्ता मरोड़ रोग भी आ गया है। इस बीमारी की चपेट में आने से कपास के पौधे पूरी तरह से मुड़ गए है। हालांकि अभी कपास के पौधों पर दो से तीन ही पत्ते निकले ,लेकिन वे सभी उक्त बीमारी की चपेट में है। जिसके चलते पौधों की बढ़वार पूरी तरह से रूक गई है। बताते है कि कई जगहों पर इस बीमारी की अधिकता के चलते कपास के पौधे सूखने भी लगे है। दूसरी तरफ अभी कपास के पौधों पर कीटनाशक दवाओं का छिड़काव आदि भी नहीं हो सकता। क्योंकि अभी पौधे छोटे है। फिलहाल उक्त बीमारी की वजह से कपास के पौधे सूखने लगे है।

बीमारी नहीं हटी तो फसल से धोने पड़ सकते है हाथ : किसानों की बात पर यकीन किया जाए तो कपास की फसल में जो बीमारी आई है। इससे धीरे धीरे कपास के पौधों की बढ़वार रुक जाती है। कुछ दिनों के बाद सबसे पहले वह पत्ता सूखने लगता है। जो बीमारी से मुड़ चुका है। उसके बाद पौधे पर नया पत्ता नहीं आएगा और धीरे धीरे करके पौधा सूख जाएगा। अगर यह बीमारी नहीं खत्म हुई तो किसानों का पूरा खेत खाली हो जाएगा। हालांकि किसान इस बीमारी से छुटकारा पाने के लिए लगातार दवाओं का छिड़काव व नलाई गुड़ाई आदि कर रहे है,लेकिन फिलहाल किसानों के सभी हथकंडे फेल साबित हो रहे है।

भिवानी। मरोड़िया रोग से प्रभावित कपास का पौधा। फोटो : हरिभूमि

वातावरण में नमी बढ़ने से फैल रही बीमारी

किसानों का तर्क है कि रोजाना मौसम में नमी बढ़ने व कभी पूर्वी तो कभी उतर की तरफ की हवा चलने से कपास की फसल में ये बीमारी पनप रही है। क्योंकि इन हवाओं की वजह से वातावरण में नमी बढ़ रही है। जिसके चलते कपास के छोटे पौधे भी इस बीमारी की चपेट में आ रहे है। फिलहाल कपास के पौधे को वातावरण में नमी कम ही चाहिए। बल्कि शुष्क मौसम में कपास के पौधों की ज्यादा बढ़वार बनती है। ऐसे में पारा उपर चढ़ने व नमी कम होने के बाद ही कपास के पौधों की बढ़वार के अनुकुल मौसम बन पाएगा।

- शुष्क मौसम में कपास के पौधे करते हैं ज्यादा बढ़ोतरी और रहते हैं स्वस्थ

बैराण की बेटी का यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर में एमटेक में हुआ दाखिला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहल

गांव बैराण की बेटी रितु का विश्व की आठ टॉप विश्वविद्यालयों में यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर में एमटेक में दाखिला हुआ है। बेटी की सफलता पर क्षेत्र में जश्न का माहौल है। लोगों ने बेटी रितु के घर जाकर उनके परिजनों को बधाई दी है। बैराण गांव में आसराम के घर अपने ननिहाल में रहने वाले शेरसिंह के पुत्र विजेन्द्र ने बताया कि उसकी बेटी रितु शुरू से ही मेधावी रही है, उसकी प्राथमिक शिक्षा बैगलुरू में हुई व बाहरवीं की परीक्षा दिल्ली बोर्ड से पास की।

रितु ने वर्ष 2022 में वीआईटी वैलूर से साफ्टवेयर इंजीनिरिंग में डिग्री हासिल की। रितु ने बीटेक पढाई के दौरान डिजिटल इंडिया में टॉप किया और उसकी सफलता पर तकनीकी मंत्री रविशंकर प्रसाद ने सम्मानित किया था। कुछ समय के लिए रीतु ने समसैंग कंपनी में बतौर इंजीनियर जॉब की। पर, उसका लक्ष्य कुछ अलग करने का था। इसलिए उसने यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर के लिए तैयारी करती रही। आखिर उसका वर्ष 2024-25 शैक्षणिक सत्र के लिए एमटेक में साफ्टवेक इंजीनियरिंग में दाखिला हुआ है, ये गौरव देशभर के केवल 30 युवाओं को ही मिला है।

- बेटी की सफलता पूरे क्षेत्र में जश्न का माहौल है
- रितु ने 2022 में वीआईटी वैलूर से साफ्टवेयर इंजीनिरिंग में डिग्री हासिल की।
- पूर्व विधायक धर्मपाल ओबरा, पूर्व विधायक ओमप्रकाश गौरा ने बेटी की सफलता पर दी बधाई

दुनियाभर में इस विश्वविद्यालय में युवाओं के लिए केवल दो प्रतिशत ही कोटा होता है। रितु की सफलता पर पूर्व विधायक धर्मपाल ओबरा, पूर्व विधायक ओमप्रकाश गौरा, सरपंच रोशनी, पूर्व बीडीसी सुरेश, राजबीर सिंह, चरणसिंह मोंटी, विजय कुमार शर्मा, सतबीर नंबरदार, मुकेश, संदीप शर्मा ने उसे सम्मानित किया और उसे आगे बढ़ने को प्रेरित किया।

विज्ञापनों का प्रसारण करने के लिए एमसीएमसी कमेटी की अनुमति लें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

- प्रिंटिंग प्रेस संचालकों को अपने द्वारा प्रकाशित किए जाने वाले पंफलैट, पोस्टर, बैनर आदि का विवरण जिला निर्वाचन कार्यालय में जमा करवाना होगा।

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों की अनुपालना में जिला में जिला स्तरीय मीडिया सर्टिफिकेशन एंड मॉनिटरिंग कमेटी ; एमसीएमसीद्ध बनाई गई है। उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी स्वयं इस कमेटी के चेयरमैन हैं। जिला में कोई भी केबल ऑपरेटर व सिनेमा घर संचालक बिना एमसीएमसी कमेटी की अनुमति व प्रमाण पत्र के केबल व सिनेमा घर में किसी भी प्रकार का विज्ञापन नहीं चला सकता है।

उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन नरेश नरवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि लोकसभा आम चुनाव 2024 को पारदर्शिताशांतिपूर्ण तरीके से संपन्न करवाने के लिए सभी नागरिकों को भारत निर्वाचन आयोग व मुख्य निर्वाचन आयोग हरियाणा के आदेशों की पालना करनी होगी। इसके साथ ही जिला के सभी केबल ऑपरेटरों को एमसीएमसी कमेटी के माध्यम से समय.समय पर दिए जाने वाले निर्देशों का पालन निर्धारित समय पर करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि कमेटी केबल चैनलों की गहनता से मॉनिटरिंग करेगी और केबल पर चलने वाले प्रत्येक विज्ञापन पर एमसीएमसी कमेटी की कड़ी नजर रहेगी। इसी प्रकार प्रिंटिंग प्रेस संचालकों को भी अपने द्वारा प्रकाशित किए जाने वाले पंफलैट, पोस्टर, बैनर आदि का विवरण जिला निर्वाचन कार्यालय में जमा करवाना होगा। चुनाव प्रक्रिया के दौरान केबल ऑपरेटर और सिनेमा हॉल संचालक एमसीएमसी कमेटी के प्रमाण पत्र के बगैर किसी भी विज्ञापन का प्रसारण नहीं कर सकते। जिला निर्वाचन अधिकारी नरवाल ने बताया कि यदि केबल ऑपरेटर व सिनेमा घर संचालक द्वारा नियमों का उल्लंघन किया जाता है या केबल ऑपरेटर व सिनेमा संचालक के खिलाफ कोई शिकायत आती है तो तुरंत उस केबल ऑपरेटर व सिनेमा संचालक के विरूद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। कमेटी द्वारा विज्ञापन के लिए जारी किए जाने वाले प्रमाण पत्र पर संबंधित सक्षम अधिकारी की मोहर व हस्ताक्षर होंगे और साथ ही विज्ञापन की सीडी पर भी मोहर व हस्ताक्षर होंगे। केबल ऑपरेटर को विशेष ध्यान रखना है कि केवल मोहर व हस्ताक्षर वाली सीडी को ही विज्ञापन के तौर पर चलाना है। सभी केबल ऑपरेटरों को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित नियमों सहित केबल टीवी नेटवर्क रेगुलेशन एक्ट की पालना सुनिश्चित करनी है।

विज्ञापन प्रसारण के लिए संबंधित उम्मीदवार को एनेक्सचर.ए में आवेदन करना होगाए जिस पर विचार करके एमसीएमसी कमेटी विज्ञापन प्रसारण के लिए एनेक्सचर बी फार्म में प्रमाण पत्र देगी। विज्ञापन प्रसारण का प्रमाण पत्र लेने के लिए आवेदनकर्ता को प्रसारित किए जाने वाले विज्ञापन की दो प्रतियां सीडी में देनी होंगी। साथ ही सीडी में दी गई प्रचार सामग्री की स्क्रीप्ट की दो प्रतियां भी आवेदन के साथ जमा करवानी होंगी। राजनीतिक पार्टी व उनके उम्मीदवारों को विज्ञापन प्रमाण पत्र के लिए प्रसारण के तीन दिन पहले आवेदन करना होगा।

2 दिन मंडी बंद रहने के बावजूद मात्र 5 हजार क्विंटल का उठान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बाढड़ा

आनाजमंडी उठान के लिए दाने बंद किए जाने के बावजूद मंडी से मात्र 5 हजार क्विंटल सरसों व गेहूं का उठान हो. पाया है। ट्रांसपोर्टेशन प्रशासन के लिए आफत बनती नजर आ रही है। उठान धीमी गति से होने किसानों व आढ़तियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। अनाज मंडी में सरसों व गेहूं की आवक ज्यादा होने के कारण मंडी पूरी तरह से लबालब हो गई है जिसके बाद प्रशासन द्वारा 27 व 28 अप्रैल को अनाजमंडी में आवक बंद कर दी गई तथा उठान शीघ्र करने के निर्देश दिए गए थे लेकिन ट्रांसपोर्टेशन की कमी के कारण किसानों व आढ़तियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

खरीद व उठान धीमी गति से होने के कारण किसानों को फसलों का भुगतान नही हो पा रहा है। इससे किसानों के बुने स्वप्न धूमिल हो रहे है। उठान धीमी गति से होने के कारण प्रशासन की पोल खुलती जा रही है क्यों कि फसल खरीद के समय हर वर्ष इन्ही समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। प्रशासन समय रहते ट्रांसपोर्टेशन की व्यवस्था क्यों नही करता है। फसल की आवक का आधा उठान नही हो पा रहा है अनाजमंडी में अभी तक सरसों की एक लाख 95 हजार क्विंटल की आवक हो चुकी है जिसमें से एक लाख 47 हजार क्विंटल की खरीद हो चुकी है। पिछले दो दिन में सरसों की 3 लगभग हजार क्विंटल का उठान हुआ है। अब सरसों का लगभग 73 हजार क्विंटल का उठान हो पाया है। गेहूं की अब तक लगभग 27 हजार क्विंटल की आवक हो चुकी है जिसमें से एक लाख 47 हजार क्विंटल की खरीद हो चुकी है। अब तक 73 हजार क्विंटल का उठान हो चुका है।

आवक हो चुकी है जिसमें 12 हजार क्विंटल की खरीद हो चुकी है। अब तक लगभग 10 हजार क्विंटल का उठान हो चुका है।

सरकार ट्रांसपोर्टेशन की व्यवस्था कर अनाज का उठान करवाए

हनुमान शर्मा आढ़ती एसोसिएशन के प्रधान हनुमान शर्मा ने कहा कि सरकार को ट्रांसपोर्टेशन की व्यवस्था कर जल्द से जल्द उठान करवाना चाहिए। दो दिन तक मंडी में आवक बंद करने के बावजूद सरसों व गेहूं का पांच हजार क्विंटल का उठान नही हो पाया है। इससे किसानों व आढ़तियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। प्रशासन को शीघ्र समाधान करना चाहिए। हैफेड के मंडी सहायक सचिन ने बताया कि अनाजमंडी में सरसों की एक लाख 95 हजार क्विंटल की आवक हो चुकी है जिसमें से एक लाख 47 हजार क्विंटल की खरीद हो चुकी है। अब तक 73 हजार क्विंटल का उठान हो चुका है।

85 प्लस और दिव्यांगजनों के घर जाकर 12डी फार्म भरवाकर लाएं

बाढड़ा। सभी बीएलओ अगले दो.तीन दिन में 85 वर्ष से अधिक आयु वाले बुजुगोंर् व दिव्यांगजनों के घर.घर जाकर 12डी फार्म भरवाकर लाए। फिर टीम बनाकर घर से मतदान करने का विकल्प चुनने वाले लोगों का मतदाताओं का मतदान करवाया जाएगा।

ये बात एसडीएम कम सहायक निर्वाचन अधिकारी सुरेश दलाल ने उपमंडल कार्यालय में बाढड़ा विधानसभा सेगमेंट के सुपरवाइजरों की बैठक को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने सुपरवाइजरों को निर्देश दिए कि वे बीएलओ के साथ मिलकर घर-घर जाकर लोगों को मतदान करने के लिए प्रेरित करें। चुनाव आयोग द्वारा 85 वर्ष से अधिक आयु वाले वोटरों व 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांग मतदाताओं को घर से बैलेट पेपर से मतदान करने का विकल्प दिया गया है। जिसके तहत बाढड़ा विधानसभा सेगमेंट के तहत 196 मतदाताओं ने घर से मतदान का विकल्प चुना है। उन सभी 196, 85 वर्ष से अधिक आयु वाले बुजुर्गों व दिव्यांग मतदाताओं को 12डी फार्म भरकर लाने के लिए सुपरवाइजरों को फार्म दे दिए गए हैं।

भारतीय महिला कंपाउंड टीम ने इटली को हराया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भारतीय पुरुष और महिला कंपाउंड टीमों ने तीरंदाजी विश्व कप के पहले चरण में शानदार प्रदर्शन कर स्वर्ण पदक जीतने पर भाजपा कार्यालय में भाजपा जिला महामंत्री शिवकुमार पराशर व तीरंदाजी एसोसिएशन के सचिव एवं भाजपा कार्यालय सचिव राजेश धनखड़ ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी जताई।

धनखड़ ने बताया कि भारतीय महिला कंपाउंड टीम ने इटली को 236.225 से हराया। ज्योति सुरेखा वेन्नम, अदिति स्वामी व परनीत कौर की भारतीय तिकड़ी ने 24 तीरों में चार अंक गंवाए और छठी वरीयता प्राप्त इटली को बड़े अंतर से हराया। उन्होंने कहा कि पुरूष टीम में अभिषेक वर्मा, प्रियांश और प्रथमेश एफ ने नीदरलैंड को 238.231 से मात दी। नीदरलैंड की टीम में माइक शोलेसर, सिल पीटर और स्टेफ विलेम्स थे। छह छह तीरों के पहले सेट में भारतीय टीम ने सिर्फ दो बार परफेक्ट 10 नहीं बनाया व मासेर्ला तोनिओली, इरेने फ्रांचिनी और एलिसा रोनेर की इतालवी टीम पर 178.171 से बढ़त बना ली। चौथी वरीयता प्राप्त पुरुष टीम ने 60 स्कोर करके परफेक्ट शुरूआत की और अगले दो सेट में दो ही अंक गंवाएं। फाइनल सेट में परफेक्ट 60 स्कोर करके जीत दर्ज की।

- भारतीय महिला कंपाउंड टीम ने इटली को 236 .225 से हराया

भिवानी। तीरंदाजी विश्व कप में पदक जीतने पर भाजपा कार्यालय खुशी जताते हुए।

ये रहे मौजूद

खुशी जताने वालों में सोनू सैनी, शिवराज बागड़ी, राहुल, संदीप, सुरेन्द्र, प्रेम वर्मा, मुकेश प्रजापति आदि उपस्थित रहे।

दिनोद गेट स्थित अंचल अस्पताल में पहुंचे इंद्रेश कुमार

प्रार्थना से आती है मरीजों में सकारात्मक ऊर्जा: इंद्रेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

राष्ट्रीय स्वय सेवक संघ के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य इंद्रेश कुमार ने कहा कि प्रतिदिन प्रार्थना सभा का आयोजन हॉस्पिटल में भी किया जाना चाहिए ताकि सभी विकार दूर हो। वहाँ उपास्थित मरीजो के परिजनों को प्रतिदिन गीता का पाठ करने को कहा। क्योंकि प्रार्थना सभा से मरीजों ही नहीं आमजन में भी पॉजिटिव एनर्जी आती है। सकारात्मक ऊर्जा आने से मरीज व तिमारदारों को नैतिक स्पॉट मिलती है।

आधी बीमारी सकारात्मक ऊर्जा मिलने से ही दूर हो जाती है। वे रविवार को दिनोद गेट स्थित अंचल अस्पताल में जीयो गीता के कॉर्नर का अवलोकन किया और स्वामी ज्ञानानंद की प्रदेश भर में चलाये जा रहे इस कार्य की भूरी भूरी प्रशंसा की। इस दौरान उन्होंने हॉस्पिटल की टीम को अपनी तरफ से सलाह दी और कहा कि हॉस्पिटल में प्रति दिन कुछ मिनटों के लिए प्रार्थना सभा की जानी चाहिए। मरीजों के साथ आए अभिभावकों को भी उस प्रार्थना सभा में शामिल किया जाए। उनमें प्रसाद भी वितरित किया जाए। साथ ही टीवी व एलसीडी पर हनुमान चालीसा आदि का पाठ भी सुनाया जाए। उससे मरीजों में आत्म विश्वास बनेगा। उन्होंने कहा कि सबसे ज़्यादा सेवा का कार्य डॉक्टर का होता है। समाज में चिकित्सक का स्थान सबसे ऊँचा होता है। उन्होंने कहा कि जिस समय कोरोना ने देश को अपनी मुट्ठी में ले रखा था उस समय चिकित्सकों ने ही देश को बचाने का कार्य किया था। चिकित्सकों ने देश की जनता को बचाने में अहम भूमिका निभाई थी। आरएसएस के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य कुमार इंद्रेश ने अस्पताल में जीयो गीता कॉर्नर में रखी गीता की पुस्तकें को पढ़ा और कहा कि इन पुस्तकों में ही संसार का वास्तविक ज्ञान है। इनका अनुशरण करने वाले व्यक्ति को कभी भी जीवन में असफलता का मुख नहीं देखना पड़ता। उन्होंने वहां पर मौजूद लोगों से इस तरह के ग्रंथों का अध्ययन करने का आहवान किया। इस मोके पर डॉ. विनोद अंचल व उनकी धर्मपत्नी डॉ. अनीता अंचल ने उन्हें गुलदस्ता भेट कर उनका स्वागत किया। कार्यक्रम में सूचना आयुक्त डॉ. जगबीर सिंह, पूर्व सूचना आयुक्त भूपेन्द्र धर्मानी,डॉ. अनिल शर्मा,डॉ. कृष्ण कुमार,डॉ. राजेश शर्मा, डॉ. प्रिया, डॉ. अरुण जांगड़ा,डॉ नवीन अंचल, मुरली धर , देवी प्रसाद कौशिक, भाजपा नेता वीरेंद्र कौशिक व छबीलदास सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

- मरीजों के साथ आए तिमारदारों को भी प्रार्थना सभा में शामिल किया जाए

भिवानी। अस्पताल में स्थापित जीओ गीता कार्नर को देखते इंद्रेश कुमार। फोटो : हरिभूमि

महापुरुषों से संगति करने का माध्यम स्वाध्याय: सच्चिदानंद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बाढड़ा

- व्यायाम शिक्षक राहुल आर्य ने सभी बच्चों एवं युवाओं को संगीत के साथ सर्वांग सुंदर व्यायाम के 16 अभ्यास करवाए

आर्यवीर दल के तत्वावधान एवं मास्टर रविंद्र सांगवान ओमवीर फौजी और मास्टर विजयपाल आदि के सहयोग से बादल गांव में चल रहे व्यायाम प्रशिक्षण एवं चरित्र निर्माण शिविर के तीसरे दिन आर्यवीर दल जिला संचालक स्वामी सच्चिदानंद के निर्देशन में व्यायाम शिक्षक राहुल आर्य, आयुष योग सहायक बिशन सिंह आर्य,सुरेंद्र आर्य ने सभी बच्चों एवं युवाओं को संगीत के साथ सर्वांग सुंदर व्यायाम के 16 अभ्यास करवाए।

स्वामी सच्चिदानंद ने बताया कि सवांर्ग सुंदर व्यायाम के इन अभ्यासों के करने से पूरे शरीर का व्यायाम होता है और शरीर सुंदर सुडौल और आकर्षक बनता है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति पर आसपास के वातावरण काए सत्संग का प्रभाव पड़ता है। कुसंगए बुरी संगति में अच्छा व्यक्ति भी निकम्मा, अधर्मी, दुर्व्यसनी, नास्तिक, डरपोक बन जाता है, जबकि अच्छी संगति में सामान्य स्तर का मनुष्य भी श्रेष्ठ आचरण करने को बाध्य हो जाता है। श्रेष्ठ संगति से मनुष्य की गति भी श्रेष्ठ दिशा की ओर होती है। अतः सावधान होकर हमेशा उत्तम लोगों का संग करें।

छुट्टियों के मिट्टी के खिलौने बनाने का देते थे काम

पहले टीचर गर्मियों की छुट्टियों में बच्चों को गिनती सिखाने के लिए 100 गारा मिट्टी की गोलियां बनाने का काम देते थे। इससे बच्चों को गिनती का अभ्यास हो जाता था। साथ ही कुत्ते, घोड़े और हाथी आदि बनाने के लिए कहा जाता था। गर्मियों में कॉपियों में कलम से सुलेख लिखने का काम दिया जाता था।

बदल गया शिक्षा का स्वरूप, आज के विद्यार्थी नहीं जानते कलम और दवात

पहले ऐसी शिक्षा होती थी, जिसमें बच्चों पर पढाई का दबाव नहीं होता था। पहले स्कूलों में बचपन खिलखिलाता था। गांव में बसने वाले गरीब व अमीर लोगों के सब बच्चे गांव के सरकारी स्कूल में पढ़ते थे। 6 साल से पहले स्कूल में बच्चे का दाखिला नहीं लिया जाता था। छह साल तक बच्चा अपने माता पिता के पास ही फलता फूलता था। जब छह साल का हो जाता तो उसे तब ही विद्यालय में दाखिला मिलता था। ड्रेस के नाम पर बच्चों को आरामदायक कुर्ता पायजामा पहनाया जाता था, ताकि बच्चों को कोई परेशानी न हो।

शिक्षा | राज कुमार नरवाल

पहले बचपन और तनाव का कोई संबंध नहीं था। बच्चे दिनभर हंसते, खेलते-कूदते और खिलखिलाते हुए दिखाई देते थे। उनको न होम वर्क की चिंता होती थी और न कपड़े गंदे होने का भय। क्योंकि आज से तीन दशक पहले तक प्रदेश में शिक्षा का स्वरूप ही अलग होता था। ऐसी शिक्षा होती थी, जिसमें बच्चों पर पढ़ाई का दबाव नहीं होता था। पहले स्कूलों में बचपन खिलखिलाता था। गांव में बसने वाले गरीब व अमीर लोगों के सब बच्चे गांव के सरकारी स्कूल में पढ़ते थे। 6 साल से पहले स्कूल में बच्चे का दाखिला नहीं लिया जाता था। छह साल तक बच्चा अपने माता पिता के पास ही फलता फूलता था। जब छह साल का हो जाता तो उसे तब ही विद्यालय में दाखिला मिलता था। ड्रेस के नाम पर बच्चों को आरामदायक कुर्ता पायजामा पहनाया जाता था, ताकि बच्चों को कोई परेशानी न हो। उस समय जुराब, टाई, बेल्ट और जूते पहनने का कोई बंधन नहीं था। बच्चे बाथरूम चप्पल पहनकर ही स्कूल जाते थे। बच्चों की सुंदर लिखावट बनवाने के लिए तख्ती का प्रयोग किया जाता था। टीचर उस तख्ती पर पेंसिल के साथ टुटकने या कच्चे अक्षर निकालते थे। टीचर द्वारा लिखे हुए उन टूटकनों पर बच्चे कलम से लिखते थे। बच्चों से इस तरह लिखने का अभ्यास करवाया जाता था। काले रंग की एक पुड़िया आती थी। बच्चे एक दवात में थोड़ा पानी डालते थे और उसमें उस पुड़िया को मिला लेते थे। इस तरह काली स्याही तैयार हो जाती थी। उसके बाद बच्चे कलम से दवात में से स्याही लेते थे और तख्ती पर लिखते थे। गणित के सवाल निकालने के लिए बच्चे पत्थर की स्लेट का प्रयोग करते थे। कुछ बच्चे गत्ते की स्लेट भी ले आते थे। लेकिन पत्थर की स्लेट ही गणित के सवाल निकालने के लिए कारगर होती थी। इससे कागज की बचत होती थी। इस स्लेट पर बत्ती के साथ लिखा जाता था। बच्चे बत्ती से स्लेट पर बार बार अभ्यास करते थे। जिससे सवाल व गणित के फार्मूले आसानी से याद किए जाते थे। स्लेट व तख्ती होने की वजह से माता पिता का कापियों का खर्च बच जाता था।

लैपटॉप, कम्प्यूटर व इंटरनेट से पढ़ना हुआ आसान

हरियाणा प्रदेश ने बीते कुछ दशकों में शिक्षा के क्षेत्र में बहुत तरक्की की है। नई शिक्षा पद्धति के जहां कुछ साइड इफेक्ट देखने को मिले हैं। वहीं शिक्षा में बहुत सुधार भी हुआ है। पहले ज्यादातर बच्चों के पास डिक्शनरी नहीं होती थी। किसी शब्द का हिंदी व अंग्रेजी अर्थ जानना होता तो बच्चों को लंबा इंतजार करना पड़ता था। बीच में स्कूल की छुट्टी आ जाती तो स्कूल खुलने पर ही टीचर से उसका अर्थ जान पाते थे। लेकिन अब इंटरनेट का जमाना आ जाने के बाद तुरंत बच्चे अपने मोबाइल फोन पर किसी भी समस्या का समाधान तुरंत ढूंढ लेते हैं। हर तरह के गणित, भौतिकी, रसायन शास्त्र व अन्य विषयों के फार्मूले या जानकारी झट से मोबाइल पर मिल जाती है। अब तो घर बैठकर भी पढाई की जा सकती है। कोरोना महामारी के कारण स्कूल बंद हो जाने पर भी बच्चे अध्यापकों के संपर्क में रहे और ऑन लाइन क्लास चलती रही। लेकिन पहले ऐसा संभव नहीं था। अखबार, इंटरनेट, टेलिविजन और मोबाइल फोन आ जाने के बाद बच्चे बहुत कुछ सीख रहे हैं। मोबाइल फोन की वजह से पूरी दुनिया विद्यार्थियों की मुट्ठी में आ गई है। आज के बच्चे पहले के बच्चों से अधिक बुद्धिमान हैं और अंक भी अधिक हासिल कर रहे हैं। लेकिन मोबाइल फोन व इंटरनेट का अत्यधिक इस्तेमाल बच्चों के स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहा है। इंटरनेट से जहां बहुत कुछ सीखा जा रहा है, वहीं बच्चे कुछ गलत चीजें भी देख रहे हैं, जिसका नुकसान भी हो रहा है।

काली स्याही से लिखी तख्ती को पानी से बच्चे खुद धोते थे। जब लिखे गए अक्षर तख्ती पर रह जाते तो उस तख्ती को पोतने के लिए मुल्तानी मिट्टी का प्रयोग किया जाता था। बच्चे खुद ही तख्ती पोतते थे। इससे उनमें खुद का काम खुद करने की आदत पैदा होती थी। अध्यापक बच्चों को गिनती व पहाड़े याद करवाने के लिए ऊंची आवाज में अभ्यास करवाते थे। स्कूल में बच्चे जब ऊंची आवाज में गिनती या पहाड़े याद करते थे तो दूर दूर तक पता चलता था कि स्कूल में जोर शोर से पढ़ाई चल रही है। ज्यादातर बच्चे अगली क्लास के पास हुए बच्चों से सेकेंड हैंड (पुरानी) किताबें खरीद लेते थे। पेंट, शर्ट, टाई, बैल्ट, बैग और भारी भरकम किताबों का खर्च उस समय नहीं होता था। अभिभावकों को मोटी फीस भी नहीं देनी पड़ती थी। उस जमाने में न स्कूल बस का किराया देना होता था और न ही माता पिता को लंच बॉक्स पैक करने का झंझट था। बच्चे आधी छुट्टी में घर आकर ही दोपहर का खाना खा जाते थे और पशुओं को बाहर भीतर बांधने व पशुओं को पानी पिलाने आदि के छोटे मोटे काम भी कर जाते थे। स्कूल के लिए बच्चों को बैग की जगह पर यूरिया व डीएपी खाद के प्लास्टिक के कट्टे का एक झोला सीलकर दे दिया जाता था व एक खाद का कट्टा उसमें और डाल दिया जाता था। ताकि वह क्लास में बैठने के लिए जमीन पर बिछाने के काम आ जाए। यह झोला जल्दी फटता नहीं था और वर्षों तक चलता था। उस समय बच्चों पर होम वर्क का दबाव नहीं होता था। अध्यापक ज्यादातर काम स्कूल में ही याद करवा देते थे। घर पर करने के लिए बच्चों को कम ही काम दिया जाता था। स्कूलों में शिक्षक खेलों पर विशेष ध्यान देते थे। बच्चों को परिश्रम करने की ट्रेनिंग विद्यालय में पढाई के दौरान ही दे दी जाती थी। जब भी विद्यालय में निर्माण चलता तो ईंट ढोने का काम भी बच्चों से करवाया जाता था। पौधों में पानी डालने और सप्ताह में एक बार विद्यालय प्रांगण की सफाई भी बच्चों से ही करवाई जाती थी।

बहुत खुला होता था स्कूलों का वातावरण

पौधों में पानी डालने और सप्ताह में एक बार विद्यालय प्रांगण की सफाई भी बच्चों से ही करवाई जाती थी। ताकि बच्चे आलसी न बनें। बच्चे तनाव मुक्त व परिश्रमी होते थे, तो उनका स्वास्थ्य भी सही रहता था। उस जमाने में बच्चे हृष्टपुष्ट होते थे। स्कूलों का वातावरण भी बहुत खुला व हवादार होता था। स्कूलों में तरह तरह के पेड़ पौधे लगे होते थे। इनमें कई फलदार पेड़ भी होते थे। बच्चे इन पेड़ों से मौसमी फल खाते थे। उन दिनों सरकारी स्कूलों के पास स्थित खेतों में भी बाग होते थे। इन बागों में भी बच्चों को खाने के लिए फल मिलते थे। ईंख के गन्ने और गुड़ बनाने के कोल्हू भी विद्यालयों के आस पास ही मिले जाते थे।

बच्चों पर तनाव और अभिभावकों पर बढ़ गया खर्च

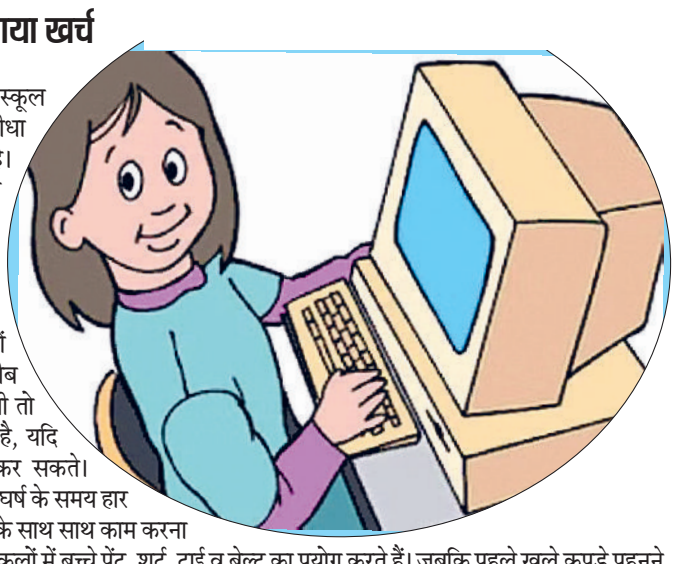

जब से शिक्षा का निजीकरण हुआ है। तब से प्रत्येक गांव में प्राइवेट स्कूल खुल गए हैं। प्राइवेट स्कूलों की आपस में चल रही प्रतिस्पर्धा का सीधा असर बच्चों के मन मस्तिष्क व अभिभावकों की जेब पर पड़ा है। स्कूल प्रबंधक महंगी किताबें खरीदते हैं। ज्यादातर प्राइवेट स्कूल बच्चों के लिए वही किताबें खरीदकर लाते हैं जिन पर पुस्तक विक्रेता या पब्लिसर अधिक छूट देता है। ज्यादा सिलेबस होगा तो पुस्तकें भी अधिक होंगी। पुस्तक अधिक होंगी तो कमाई भी ज्यादा होगी। जिस वजह से बच्चों के बस्ते का बोझ बढ़ता जा रहा है। बचपन भारी बस्तों के बोझ के तले दब गया है। पहले सरकारी स्कूलों में बच्चों को व्यवहारिक ज्ञान सिखाया जाता था। कम खर्च में गरीब आदमी भी अपने बच्चों को पढ़ा सकता था। यदि नौकरी न मिलती तो बच्चे परिश्रम करके कमा खा सकते थे। अब पढाई ऐसी हो गई है, यदि नौकरी न मिले तो बच्चे शारीरिक श्रम वाला काम भी नहीं कर सकते। आरामदायक जीवन शैली की वजह से वर्तमान में युवक युवतियां संघर्ष के समय हार जाते हैं। बहुत तो आत्महत्या तक कर लेते हैं। पहले स्कूलों में पढ़ाई के साथ साथ काम करना और बड़े बूढों की सेवा करना सिखाया जाता था। वर्तमान समय में स्कूलों में बच्चे पेंट, शर्ट, टाई व बेल्ट का प्रयोग करते हैं। जबकि पहले खुले कपड़े पहनने का रिवाज था। वेद, पुराणों और नैतिक शिक्षा की बात सिखाने के लिए संस्कृत पढाई जाती थी। लेकिन अब स्कूलों में संस्कृत अनिवार्य विषय नहीं रहा। बच्चों को कला सिखाने के लिए ड्राइंग पढाई जाती थी। लेकिन अब यह विषय भी जरूरी नहीं रहा।

रागनी | विश्वबंधु शर्मा

यो कैसा खेल दिखाया

यो कैसा खेल दिखाया सै, यो मैं जाणू या वो जाणै ।
नर नारी जगत रचाया सै, यो जग जाणै या वो जाणै ।।टेक ।।

खुद नै आकाश बणाया सै, आकाश म्ह स्वयं समाया सै ।
फिर पाणी पवन रचाया सै, अग्नी का गेड़ा लाया सै ।
धरती आधार बणाया सै, खुद धरण रूप धर आया सै ।
यह माया खेल रचाया सै, भगत जाणताया वो जाणै।

पाँचाँ नै गेड़ा लाया सै ,फिर चोला एक बणाया सै ।
उस चोले को अप णाया सै , तूँ चोले बीच समाया सै ।
पर नजर कदे ना आया सै, यो मोह का कुंडा लाया सै ।
यो दल दल लोभ बणाया सै, मैं धसता जाता वो जाणै।

हाँगा पूरा मनै ला लिया, के अहं डोब दे चोडै ना।
तृष्णा पड़गी मेरे गेल्यां, के पागल मनवा दौड़े ना।
मृगतृष्णा मह मनुवा फस ग्या, वो भाज्या जावैबोहडै ना।
वो नेह प्रीत नै तोड़ै ना, मैं ना जाणू वो खुद जाणै।

जीव को कहते अंश तेरा, क्यूँ जीव रूप मैं आया सूँ।
पत्नी पुत्र पोत्र पोत्री, क्यूँ ममता बीच फ़साया सूँ।
अपणे तन तैं न्यारा कर कें, क्यूँ भँवरी बीच धकाया सूँ।
मैं जर तैं नहीं अघाया सूँ, मैं खुद ना जाणू वो जाणै।

चौथापण नासोधी आई, क्यूँ मरता फिरूँतिसाया सूँ।
रै न्यू करले तूँ न्यू करले, लोगाँ नै खूब भकाया सूँ।
इत सतरह बीच फसा कें प्रभु ,जग कोठे मैं भरमाया सूँ।
इत खाली हाथा आया सूँ , यह मैं जाणूअर तूँ जाणै।

पूजा और चढ़ावा कोनीं, मैं हिम्मत कर दर आया सूँ।
प्रभु मेरा इत कुछ बी ना सै, मैं पेट दिखाणे आया सूँ।
जग झंझट को छोड़ छाड़ अब, मुंशीरामशरण आया सूँ।
बन्धु मैं अश्रु जल ल्याया सूँ, अब गुरु जाणै या वो जाणै।

गीत | महेन्द्र सिंह बिलोटिया

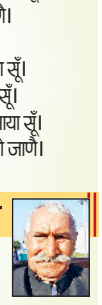

जय श्री राम

सिया राम, सिया राम, सिया राम,
नाम लिए मन में धार, हो जाएगा तेरा उद्धार
सच्चे दिल से राम पुकार, राम है सबके सृजनहार
अपना मन लिए थाम, सिया राम, सिया राम

विष्णु जी के ये अवतार आये मृत्युलोक देहधार
भगतों पर करते उपकार दुष्टों का करे संहार
दिन और रात आठों याम सिया राम, सिया राम

मर्यादा के रचनाकार, अपने करो शुद्ध विचार
जीवन में आये निखार, सदबुद्धि और शाकाहार
धर्म सनातन का पैगाम, सिया राम, सिया राम

मंगल जीवन अहिल्या नार, सबरी पर बरसया प्यार
ऋषि हवन के सूत्रधार, दशानन को दिया मार
विभीषण सौंपा राज तमाम, सिया राम, सिया राम ,

पाँच सौ वर्ष का इन्तज़ार, अब अयोध्या दई सिंगार
भव्य मंदिर किया तैयार, ये गये विरोधी सारे हार
बना अयोध्या सुन्दर धाम सिया राम, सिया राम,

मात पिता के आज्ञाकार, नक्शे क़दम चले संसार
यही छवि है पुजनहार, महेन्द्र सिंह करें मनुहार
दोनों वक्त सुबह शाम सिया राम, सिया राम

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

श्रद्धा | **100 साल से एक ही परिवार कर रहा सिलाई, दो साल की अग्रिम बुकिंग, 2037 में आएगा नंबर**

माता बाला सुंदरी को वस्त्र पहनाने के लिए वर्षों का इंतजार

बुकिंग
वस्त्र सिलने वाले दर्जी पर करानी पड़ती है बुकिंग

श्रद्धालु
नवरात्रि के दिनों में लगता है श्रद्धालुओं का तांता

दर्शन
नंबरदार सोराज को माता ने सपने में दिए दर्शन

मंदिर | सुभाष शर्मा

मुलाना का माता बाला सुंदरी मंदिर आस्था का प्रतीक है। मंदिर के बारे में विशेष बात है कि यहां माता रानी के वस्त्रों को श्रद्धालु हर साल बारी के हिसाब से चढ़ाते हैं। मंदिर में माता रानी को वस्त्र पहनाने की इच्छा रखने वाले श्रद्धालुओं को वर्षों का इंतजार करना पड़ता है। हर वर्ष श्रद्धालु माता बाला सुंदरी के लिए वस्त्र पहनाने के लिए अपना नाम अंकित कराते हैं। बारी के अनुसार उन का नंबर आता है। माता को नए वस्त्र पहनाने के लिए 12 साल की अग्रिम बुकिंग चल रही है। 2024 के चैत्र महीने के नवरात्रों में यहां के रहने वाले एक परिवार ने इस सेवा को अदा किया है। एनएच 344 के नजदीक बने माता बाला सुंदरी

मंदिर में नवरात्रों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रहती है। सैंकड़ों की संख्या में आकर श्रद्धालु माता के दर पर नतमस्तक होकर और मन्नत मांगते हैं।

प्रचलित है दंत कथा

एक दंत कथा प्रचलित है कि एक बार गांव में प्लेग की भयानक बीमारी फ़ैल गई थी। लोग इस बीमारी से भयग्रस्त थे। प्लेग की चपेट में आने से गांव में हर रोज मौते हो रही थी। कहते हैं कि गांव के लोग दाह संस्कार कर के लौटते ही थे कि कोई न कोई व्यक्ति तब तक गांव में मृत अवस्था में मिलता था। पूरे गांव में प्लेग की भयकंर बीमारी ने लोगो में भय पैदा कर रखा था। तभी इसी दौरान गांव के साथ लगती मारकंडा नदी में से एक चूड़ियां बेचने वाला गुजर रहा था तो रास्ते में उसे एक कन्या दिखाई दी। वह कन्या दौड़ कर उस चूड़ी बेचने वाले के समीप आई और उस कन्या ने उस से चूड़ी पहनाने की जिद की। चूड़ी बेचने वाले व्यक्ति ने उसकी दोनों बाजुओं में चूड़ी पहना दी तभी उस कन्या ने तीसरी बाजु भी आगे कर दी। इस घटना से चूड़ी बेचने वाला घबरा गया तथा वहां से आकर उस ने यह बात गांव के लोगों को बताई। लोगों ने उसे समझाया कि घबराने की आवश्यकता नहीं है। कन्या के रूप में दिए दर्शन मां भगवती का अवतार है। गांव में मां भगवती का आगमन हो चुका है। अब शीघ्र ही सब कुछ ठीक हो जाएगा। कहते हैं कि उसी रात मां बाला सुंदरी ने गांव के नंबरदार के स्वप्न में आकर एक स्थान दिखाते हुए कहा कि इस स्थान पर 5 ईंटें रख कर उस के भवन का निर्माण करवाया जाए। अगली सुबह ऐसा करते ही गांव से प्लेग की भयंकर बीमारी ख़त्म हो गई।

वर्ष 1426 में हुआ था मंदिर का निर्माण

कुछ वर्ष पहले वर्ष माता बाला सुंदरी मंदिर का रिकॉर्ड राजस्थान के भाटों के यहां से प्राप्त हुआ है। भाटों के अनुसार वह मुलाना में क्षत्रीय समाज के यहां साल में एक बार जाते हैं।भाटों ने मंदिर कमेटी को बताया कि कस्बे को 1422 में बसाया गया था। मां बाला सुंदरी मंदिर का निर्माण सन 1426 में कराया गया था। 1425 में गांव के नंबरदार सोराज सिंह के सपने में माता ने दर्शन देकर मंदिर का निर्माण कराने व साथ ही ताल की खुदाई कराने की बात कही गई थी। ऐसी लिखित बातें भाटो के दस्तावेजों में दर्ज है।

'ताऊ नै पाछै हटा कै' शिखर पर पहुंचे रामकेश जीवनपुरिया

◆ शुरू में पिता ने जताया विरोध आज सबसे बड़े फैन ◆ पत्नी ने दिया भरपूर सहयोग करती हैं मोटिवेट ◆ सामाजिक सरोकार से जुड़े लिखे गीतों ने मचाई धूम

कलाकार | शशि कांत चौहान

कहते हैं कि कलम में बहुत ताकत होती है। आप जो भी लिखते हैं उसका समाज का बड़ा हिस्सा प्रभावित होता है। फिर वही समाज आपको सिर आंखों पर बिठा लेता है। ऐसा ही कुछ रामकेश जीवनपुरिया के साथ हुआ। उन्होंने हट जा ताऊ पाछै नै ऐसा लिखा कि इस गीत ने उनको शिखर पर पहुंचा दिया।यह उनका पहला गीत था और इसे आवाज विकास कुमार ने दी थी यह इतना बड़ा हिट हुआ कि आज भी हर कार्यक्रम में डीजे पर खूब बजाता है और लोग इसका खूब आनंद उठाते हैं।

बचपन से था शौक

किसान परिवार में 10 अगस्त 1981 को जन्मे रामकेश के पिता श्री राम निवास दसवीं पास हैं और माता श्रीमती इंद्रा देवी गृहिणी हैं। रामकेश की प्राथमिक शिक्षा गांव के स्कूल में हुई। हाई स्कूल के लिए ने पड़ोस के गांव जाना पड़ा। क्योंकि गीत संगीत में रुचि बचपन से ही थी इसीलिए इन्होंने ग्रेजुएशन संगीत में की। ऐसे हुई शुरुआत रामकेश ने जब एक दिन रणबीर बड़वासनिया को स्टेज पर रागनी करते हुए देखा तो वहीं से उन्हें दिल में अपना गुरु मान लिया और लिखना शुरू किया। हालांकि इस दौरान उन्हें कोई मंच नहीं मिला था इसके बाद रणबीर बड़वासनिया से मुलाकात हुई और इसके बाद उन्होंने विधिवत गुरु धारण किया। इसी दौरान जब उनके दादा गुरु जगन्नाथ समचाना वाले ने उनके गीत देखें तो उन्हें अपने पास बुलाया और तमाम बारीकियां समझाई।

हट जा ताऊ पाछै नै पहला हिट

जब रामकेश का पहला गीत हट जा ताऊ पाछै नै रिलीज हुआ तो रामकेश जीवनपुरिया को नई पहचान मिली और उसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। इसके साथ ही एक के बाद एक बड़े हिट गीत आए, जिनमें सपने में रात में आई, सारा रोला पतली कमर का जैसे गीत शामिल हैं। इसके बाद सतीश सहगल जो म्यूजिक कंपोजर भी हैं उन्होंने रामकेश से गीत गाना शुरू करवाया। 'पहले आली हवा रही ना पहले बाणा' गायक के तौर पर उनका पहला गीत था।

पीएम ने की तारीफ

रामकेश ने पहले ही गीत के बाद गायन में भी धूम मचा दी यह गीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुना और उनको बुलवाया उन्हें सम्मानित भी किया इसके बाद 'बचपन' 'मैं भारत बोल रहा हूं' 'कितना बदल देश' 'कलयुग' और 'संस्कार' भी सोशल मीडिया पर खूब देखे गए।

सम्मान व पुरस्कार

हरियाणवी जन-मानसको उद्वेलित करने वाले रामकेश जीवनपुरिया को अनेक संस्थाएँ सम्मानित कर चुकी हैं। इसी सम्मान श्रृंखला की कड़ी में एक और कड़ी जोड़ते हुए हिन्दी साहित्य प्रेरक संस्था जीन्द भी अ मिसरी जुगलाल स्मृति साहित्य श्री सम्मान से सम्मानित किया।

फिल्में लिखी, अभिनय किया

रामकेश जीवनपुरिया ने अपनी प्रतिभा का भरपूर प्रदर्शन किया। उन्होंने 'छप्पर पाड़ कै' 'किसान बिजनेसमैन' 'प्रेरणा' 'सफर म्हैं हमसफर' और लख्मीचंद हरियाणवी जैसी फिल्में बनाई खास बात यह है कि यह फिल्में उन्होंने खुद ही लिखी और अभिनय भी किया उनके अभिनय को खूब सरहाना भी मिली। रामकेश जीवनपुरिया के गीत और फिल्म लेखन में सामाजिक मुद्दों पर ज्यादा फोकस रहा है। शुरुआत में तो उन्होंने जरूर मनोरंजन को ध्यान में रखते हुए गीत लिखे थे लेकिन बाद में उन्होंने सामाजिक मुद्दों पर फोकस किया। इसके साथ ही उन्होंने देशभक्ति को भी अपने लेखन में खास तवज्जो दी। रामकेश कहते हैं कि आजकल लेखक पब्लिक की पसंद को ध्यान में रखते हुए अपनी कलम चलता है तो निश्चित ही लेखन के स्तर में गिरावट आती है।

परिवार का भरपूर सहयोग

परिवार का भरपूर सहयोग रामकेश बताते हैं कि उनके परिवार में गीत संगीत का कोई माहौल नहीं था इसलिए शुरुआत में उनके पिता ने इस क्षेत्र में जाने का उनका विरोध किया था लेकिन जब उन्होंने उनके गीत और फिल्में देखी तो उन्होंने उसका हौसला बढ़ाया और आज वे उनके सबसे बड़े फैन हैं। रामकेश को उनकी पत्नी से भी पूरा सहयोग मिला और उन्होंने हर कदम पर साथ दिया। अगर कभी उन्हें निराशा हुई तो उनको मोटिवेट किया।

खबर संक्षेप

हिसार। नशीले पदार्थ के साथ आरोपी महिला पुलिस गिरफ्त में।

510 ग्राम गांजा के साथ महिला पकड़ी

हांसी। हांसी पुलिस की एएनसी स्टाफ टीम ने 510 ग्राम गांजा के साथ एक महिला को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार की गई आरोपी महिला की पहचान सिसाय बोलान निवासी रीना के रुप में हुई है। पुलिस उसके खिलाफ थाना सदर हांसी में एनडीपीएस एक्ट के तहत अभियोग न्यायालय में पेश करके न्यायालय के आदेशानुसार जेल भेज दिया।

पुलिस ने उद्घोषित अपराधी को पकड़ा

हांसी। शहर हांसी पुलिस ने उद्घोषित अपराधी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान फिरोज पुर निवासी लोकमान उर्फ महमोद के रुप में हुई है। पकड़े गए आरोपी को अदालत ने थाना शहर हांसी के मामले में उद्घोषित अपराधी करार दिया हुआ था। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश करके न्यायालय के आदेशानुसार जेल भेज दिया।

अवैध शराब की 67 बोतल के साथ 6 काबू

हांसी। अवैध शराब बेचने के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना शहर हांसी पुलिस ने 11 बोतल अवैध देशी शराब सहित सैनीपुरा निवासी अजमेर को गिरफ्तार किया है। थाना बास पुलिस ने सिंघवा खास निवासी प्रवीन को 18 बोतल तथा बडाला निवासी चांदबीर को 7 बोतल अवैध देशी शराब सहित गिरफ्तार किया है। सदर हांसी पुलिस ने सुल्तानपुर निवासी बबलू को 11 तथा ढाणी कुम्हारान निवासी रत्न को 10 बोतल अवैध देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया है। नारनौंद पुलिस ने कापड़ो निवासी सतीश को 10 बोतल अवैध देशी शराब सहित गिरफ्तार किया है।

सट्टा खाईवाली करते 9640 रुपये के साथ चार गिरफ्तार

हांसी। हांसी पुलिस ने रविवार को अलग-अलग स्थानों पर सरेआम सट्टा खाइवाली करते हुए चार लोगों को गिरफ्तार किया है। चारों से 9640 रुपये बरामद किए गए हैं। पुलिस प्रवक्ता कुलदीप सिंह ने बताया कि थाना शहर हांसी पुलिस ने खरड़ चुंगी के समीप सट्टा खाईवाली करते रंगे हाथों आरोपी विजय को 2430 रुपये के साथ गिरफ्तार किया।

चोरी की मोटरसाइकिल के साथ एक गिरफ्तार

हांसी। हांसी पुलिस के एंटी व्हीकल थेफ्ट टीम ने चोरी की बाइक के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। एंटी व्हीकल थेफ्ट टीम में तैनात मुख्य सिपाही राकेश कुमार ने बताया कि विशेष अभियान के तहत गश्त पड़ताल दौरान एक बाइत सवार व्यक्ति को शक के आधार पर रुकवाकर उससे बाइक के कागजात दिखाने के लिए कहा तो वह बाइक के कागजात नहीं दिखा पाया और ना संतोषजनक जवाब दिया। जांच अधिकारी ने बताया कि बाइत पर अंकित चेसिस व इंजन नंबर के आधार पर जांच पड़ताल की गई तो यह बाइक थाना शहर नरवाना के क्षेत्र से चोरी हुई पाई गई।

कांग्रेस चुनाव कार्यालय का उद्घाटन 29 को

चरखी दादरी। भिवानी-महेन्द्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र से से कांग्रेस प्रत्याशी राव दान सिंह द्वारा 29 अप्रैल सोमवार को दोपहर 12 बजे दादरी के मेजबान चौक पर चुनाव कार्यालय का उद्घाटन करेंगे तथा कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करेंगे। कार्यालय उद्घाटन के बाद परशुराम चौक, आंबेडकर चौक, लाला लाजपतराय चौक, सरदार झाड़ू सिंह चौक पर माल्यार्पण करेंगे। डॉ. धर्मेन्द्र, रणसिंह मान, धर्मपाल सांगवान, नृपेन्द्र मांढ़ी, डॉ. मनीषा सांगवान, अनिल धनखड़ ने बताया कि इस मौके पर इंडिया गठबंधन के वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे।

गांव दिनोद में आयोजित शिविर में 50 ने किया रक्तदान

रक्तदान बन सकता है किसी का जीवनदान खून देने से शरीर में नहीं आती कमी : कमल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

गांव दिनोद के राधा स्वामी रसगुल्ला प्लांट में रक्तदान शिविर का आयोजन किया। शिविर में चौधरी बंसीलाल नागरिक अस्पताल की टीम ने 50 युनिट रक्त एकत्रित किया। रक्तदाताओं को बैज लगाकर शिविर का शुभारंभ करते हुए युवा कल्याण संगठन के संरक्षक कमल प्रधान ने कहा कि रक्तदान महादान है, 18 से 60 वर्ष की आयु के सभी पुरुषों व महिलाओं को रक्तदान जरूर करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारे द्वारा किया गया रक्तदान किसी का जीवनदान बन सकता है रक्तदान से हमारे शरीर में किसी प्रकार की कमी भी नहीं आती।

रक्तदान से शरीर में नए खून का संचार होता है और रोगों से लड़ने क्षमता भी बढ़ती है। यही मानवता का सही चित्रण हैं, प्रत्येक व्यक्ति को वर्ष में कम से कम तीन बार अवश्य रक्तदान करना चाहिए। शिविर में थानेदार सुरेन्द्र, राजवीर ताखर, धूपसिंह लहलान, मालसिंह जिलेदार, कैप्टन बलबीर सिंह, रोहित, राकेश, धीरज, यश, प्रदीप श्योराण, मुकेश शर्मा ने स्वयं रक्तदान किया और रक्तदाताओं का हौसला बढ़ाया।

भिवानी। रक्तदाताओं को बैज लगाते कमल सिंह प्रधान।

रक्तदाताओं ने रक्तदान कर बच्चें व गर्भवती की बचाई जान

भिवानी। भिवानी के दो अस्पतालों में दाखिल मरीजों के लिए दो यूनिट ए पॉजीटिव व एक यूनिट ए नेगेटिव फ्रेश ब्लड की जरूरत पड़ी तो भिवानी के तीन रक्तवीरों ने ब्लड बैंक पहुंचकर रक्तदान किया। ब्लड बैंक में ए नेगेटिव ब्लड उपलब्ध न होने पर मरीज के परिजनों ने राजेश डुडेजा से सम्पर्क किया तो उन्होंने तुरन्त गांव तिगड़ाना से अध्यापक जोगिंद्र को ब्लड बैंक में रक्तदान करवा छोटे बच्चे की जान बचाई, दूसरे गर्भवती के केस में दो यूनिट ए पॉजीटिव की जरूरत होने पर एक कदम रोशनी की ओर से ओमप्रकाश सैनी ने दो रक्तदाताओं हितेश सैनी, गोविंद गिरी ने रक्तदान कर महिला की जिंदगी बचाने का सराहनीय कार्य किया। इस अवसर पर डॉ. मंदीप पंघाल, आदित्य सैनी, लैब टेक्नीशियन संदीप नैन व अमन, योगेश जांगड़ा ने रक्तदाताओं का आभार जताया।

अमित वशिष्ठ फाउंडेशन ने लगाया रक्तदान शिविर

भिवानी। रक्तदाताओं को सम्मानित करते अतिथि। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

कैंसर पीड़ितों की मदद के लिए रणजी खिलाड़ी अमित वशिष्ठ की स्मृति में अमित वशिष्ठ फाउंडेशन ने रविवार को मिनी बाईपास राम चौक स्थित राधेकृष्ण बैंक्वेट हॉल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया। शिविर में 81 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। शिविर में एम्स बाढ़सा की टीम कैंसर मरीजों के लिए रक्त एकत्रित करने पहुंचे। कार्यक्रम में बतौर मुख्यतिथि महाराज जीत भारती, पार्षद मांगेराम शर्मा एवं शतकवीर रक्तदाता राजेश डुडेजा ने शिरकत की तथा रक्तदाताओं को बैज लगाकर सम्मानित किया। इस मौके पर अतिथियों ने कहा कि रक्तदान करने से शरीर में रक्त बनने की प्रक्रिया पहले की अपेक्षा ज्यादा होती है। रक्तदान शरीर मे मौजूद रक्त को पुनर्जीवित करने में सक्षम होता है। इसके अलावा रक्तदान एक ऐसा महादान है, जिसके द्वारा हम किसी जरूरतमंद मरीज की जान बचाकर पुण्य के भागी बन सकते है। फाउंडेशन के अध्यक्ष व शिविर के आयोजक जितेंद्र शर्मा ने कहा कि परिजनों की याद में पौधरोपण व रक्तदान जैसी मुहिम बेहद सराहनीय है। इस मौके पर राजेश ग्रेवाल, नरेंद्र मिताथल, रमेश कितलाना आदि मौजूद रहे।

ब्रह्माकुमार भीमसिंह की माता का निधन

भिवानी। शिक्षाविद्ध ब्रह्माकुमार भीम सिंह चौहान की 92 वर्षीय माता परमेश्वरी देवी का निधन हो गया, उनका अंतिम संस्कार उनके पैतृक गांव बौंदकलां में किया गया। परमेश्वरी देवी अपने पीछे भरापुरा परिवार छोड़कर गई हैं। परमेश्वरी एक धर्मपरायण एवं सात्विक विचारों की महिला थी। उन्होंने अपने परिवार को अच्छे संस्कार दिए और एकता के सूत्र में बांधे रखा। उनके निधन पर सेवानिवृत एक्सईएन वेदपाल दहिया, कप्तान श्यामलाल, धूपसिह, महेन्द्र सिंह, धर्मपाल फौजी, प्राचार्य रत्न सिंह, लैक्चरर सुरेश, शिवकुमार, बलवान सिंह, रोशनलाल, कोच सुनील आदि ने शोक जताया।

बास आजम शाहपुर गांव में फंदे पर लटकी मिली विवाहिता

नारनौंद। क्षेत्र के गांव बास आजम शाहपुर गांव में करीब 22 वर्षीय विवाहिता संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे पर लटकी हुई मिली। विवाहिता की मौत हो चुकी है। विवाहिता के मायके पक्ष के लोगों ने उसकी हत्या करने का आरोप लगाया है। शनिवार रात विवाहिता रितु का शव बास आजशाहपुर गांव में उनके घर में ही फांसी के फंदे पर लटका हुआ मिला। पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लिया। जानकारी के अनुसार सचिन व रितु का करीब दो-ढाई साल पहले विवाह हुआ था। उनकी करीब 6 महीने की एक बेटी भी है। सचिन गांव में हेयर ड्रेसर का काम करता है। जानकारी में पता चला है कि शनिवार शाम को कोई घरेलु कहासुनी के बाद विवाहिता ने फांसी लगाई है।

72 नागरिकों ने करवाई जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

प्रत्येक व्यक्ति को अपने स्वास्थ्य प्रति विशेष तौर पर सजग रहना चाहिए, क्योंकि स्वास्थ्य के प्रति बरती गई सजगता ही बीमारियों से बचा सकती है। लोगों को स्वास्थ्य के प्रति सजगता अपनाने तथा जरूरतमंद लोगों तक स्वास्थ्य लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से हर माह के अंतिम रविवार जामपुर सेवा समिति द्वारा डॉ. विद्या सागर चैरिटेबल अस्पताल में हड्डी जांच शिविर लगाया जाता हैं। शिविर में 72 नागरिकों की मशीन से हड्डियों की संपूर्ण जांच व फिजियोथैरेपी की गई। शिविर में मुख्यतिथि जोगीवाला मंदिर के महंत वेदनाथ ने रिबन काटकर शुभारंभ किया।

इस मौके पर कल्याणी अस्पताल गुरूग्राम से डॉ. विक्रांत खन्ना ने अपनी सेवाएं दी। समिति के प्रधान गोपाल कृष्ण पोपली ने कहा कि खराब खान-पान की वजह से रोजाना नई बीमारियां जन्म ले रही है, जिसके लिए नागरिकों को अपने स्वास्थ्य की तरफ विशेष ध्यान देने की जरूरत है। कई बार व्यक्ति के सामने ऐसी स्थिति उत्पन्न हो जाती है कि वो आर्थिक अभाव में समय पर छोटी बीमारियों का इलाज नहीं करवा पाते, उसके दोगुना आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। इस अवसर पर हरनाम गाड्डी, सुरेश गाड्डी, बालकृष्ण सनेजा, राजकुमार जावा, सुनील वधवा, रवि चांदना, संजय गिरधर, विरेंद्र अरोड़ा, रविंद्र अघी, मोहनलाल सेहरा मौजूद थे।

भिवानी। हड्डी जांच शिविर का शुभारंभ करते महंत वेदनाथ महाराज।

शिविर में 245 मरीजों का स्वास्थ्य जांचा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

पंजाबी जागृति मंच के सहयोग से मेदांता अस्पताल गुरूग्राम द्वारा श्रीसनातन धर्म जगदीश पुत्री पाठशाला में मल्टी स्पेशलिस्ट निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया,जिसमें 245 मरीजों के स्वास्थ्य की जांच की गई। शिविर का शुभारंभ वरिष्ठ अधिवक्ता अविनाश सरदाना ने किया। शिविर में मेदांता अस्पताल की तरफ से डीएम कार्डियोलिस्ट डॉ. एसके तनेजा, डॉ. विजय शर्मा, डॉ. हिमांशु पूनिया, डॉ. साहिल महता व डॉ. साक्षी महता ने अपनी सेवाएं दी। शिविर में शुगर, बीपी, शरीर में केलशियम की जांच, ईसीजी की सेवाएं निःशुल्क दी गई। सरदाना ने कहा कि हमें तनाव मुक्त जीवन जीने का प्रयास करना चाहिए। पंजाबी जागृति मंच के प्रधान दर्शन कुमार मिड्ढा ने कहा कि स्वस्थ रहने के लिए सुबह व शाम सैर करनी चाहिए तथा संतुलित आहार का सेवन करना चाहिए। कैंप के संयोजक विनोद गाबा, कृष्ण कुमार हंस, जगन्नाथ गंभीर, ओपी नंदवानी, ओमप्रकाश सुखीजा, विजय कथूरिया, अनिल काटपालिया, ओमप्रकाश टुटेजा, राधा कृष्ण चावला, राजकुमार महता, हीरानंद, प्रवीन चावला, मनोहरलाल सरदाना, पवन मदान, मदनलाल कामरा, पुष्पराज महता, भूषण महता मौजूद रहे।

भिवानी। शिविर में मरीज के स्वास्थ्य की जांच करती चिकित्सक।

- शिविर में मेदांता अस्पताल के डॉक्टरों ने रोगियों के स्वास्थ्य की जांच की

चुनाव ड्यूटी करने वाले सभी अध्यापकों के वोट डलवाने की व्यवस्था सुनिश्चित करें जिला प्रशासन : जांगड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा से संबंधित हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ की बैठक जिला प्रधान प्रमोद जांगड़ा की अध्यक्षता में सर्व कर्मचारी संघ कार्यालय में सम्पन्न हुई। बैठक का संचालन जिला सचिव पवन कुमार ने किया।

बैठक को संबोधित करते हुए राज्य उपप्रधान अलका व जिला प्रधान प्रमोद जांगड़ा ने बताया कि चुनाव में ड्यूटी देने वाले कुछ कर्मचारी अक्सर वोट देने से वंचित रह जाते हैं। इसलिए जिला प्रशासन समय पर चुनाव ड्यूटी प्रमाण पत्र सभी अध्यापकों को मुहैया करवाए और चुनाव ड्यूटी करने वाले सभी अध्यापकों के वोट डलवाने की व्यवस्था सुनिश्चित करे। उन्होंने कहा कि अध्यापक संघ जिला निर्वाचन अधिकारी से अपील करता है कि गर्मी के मौसम को ध्यान रखते हुए पोलिंग रिहर्सल, सामग्री वितरण व सामग्री लेने के दौरान पानी, पंखे व कूलर आदि की भी व्यवस्था करे, ताकि चुनाव अधिकारियों को परेशानी का सामना न करना पड़े।

बैठक में अध्यापक संघ नेताओं ने कहा कि अनाज मंडी स्थित प्राथमिक विद्यालय का विवाद काफी समय से चल रहा है।

हिसार। अध्यापक संघ की जिला कार्यकारिणी की बैठक में उपस्थित पदाधिकारी।

समाजसेवी एवं ब्राह्मण खाप के जिला प्रधान रोशनलाल को डॉक्टरेट की उपाधि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

समाजसेवी एवं टेक्सेशन कार्यों में अग्रणी तथा विभिन्न संगठनों से जुड़े बास निवासी पूर्व सरपंच रोशनलाल शर्मा को वर्ल्ड पीस ऑफ यूनाइटेड नेशनस यूनिवर्सिटी ने डॉक्टरेट की उपाधि से नवाजा है। इसके अतिरिक्त उनकी समाजसेवा में तत्परता एवं समर्पण को देखते हुए विश्व मानवाधिकार सुरक्षा आयोग, न्यूयॉर्क (अमेरिका) की ओर से भी डॉ. रोशनलाल को सदस्यता प्रदान की गई है।

सामाजिक कार्यकर्ता की इस उपलब्धि पर हरियाणा ब्राह्मण खाप की ओर से यहां के सेक्टर 28 में आयोजित एक सादे कार्यक्रम में मान स्वरूप उन्हें पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डॉ. रोशनलाल ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा डिग्री मिलना तो महज एक उपलब्धि है, लेकिन असल डिग्री पाने का सुकून तो लोगों के बीच जाकर एक घर के सदस्य की भांति उनमें घुलमिलकर उनकी समस्याओं का निदान करना है। यह तो एक ईश्वरीय कार्य है, जिसके लिए भगवान ने धरती पर भेजा है।

राज्य प्रधान अशोक शर्मा ने कहा कि उन्हें नाज है कि पूर्व सरपंच रोशनलाल सरीखे समाजसेवी उनके संगठन से भी जुडकर समाज को आर्थिक और सामाजिक रूप से सुदृढ़ बनाने में अहम किरदार निभा रहे हैं। राज्य सचिव रामफल शर्मा पाबड़ा वाले ने कहा कि रोशनलाल के कार्यों की बदौलत ही समाज में उनकी विशिष्ट पहचान हैं। गांवों में, कस्बों में जब भी कोई समस्या या बड़ा सामाजिक मुद्दा हो, पूर्व सरपंच को प्राथमिकता के तौर पर आमंत्रित किया जाता है।

हिसार। डॉ. रोशनलाल का स्वागत करते समाज के गणमान्य व्यक्ति। फोटो : हरिभूमि

चालक व परिचालकों को प्राथमिक उपचार का ज्ञान आवश्यक

स्कूल बस चालक व परिचालकों को दिया प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

बीते दिनों महेंद्रगढ़ के कनीना में हुए स्कूल बस हादसे से सबक लेते हुए प्रदेशभर में अब स्कूल बसों के सुरक्षा के मानकों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि ऐसी दुःखदायी घटना पर पूर्ण रूप से रोक लगाई जा सकें।

इसी कड़ी में उपायुक्त एवं रेडक्रॉस अध्यक्ष नरेश नरवाल के निर्देशानुसार एवं रेडक्रॉस सचिव प्रदीप कुमार के नेतृत्व में जिला रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा कस्बा बवानीखेड़ा के बीके वमा स्कूल में चालकों व परिचालकों को रेडक्रॉस भवन में प्राथमिक उपचार एवं सीपीआर का प्रशिक्षण दिया। इस मौके पर रेडक्रॉस सचिव प्रदीप ने कहा कि अक्सर देखने में आया है कि आपदाओं में बहुत से लोगों की मौत सिर्फ प्राथमिक उपचार के अभाव में हो जाती है, ऐसे में प्रत्येक व्यक्ति विशेषकर चालक व परिचालकों को प्राथमिक उपचार का ज्ञान अवश्य होना चाहिए, ताकि मुसीबत के समय बहुत सी जान बचाई जा सकती है। चालक व परिचालकों को प्राथमिक उपचार व सीपीआर की जानकारी देते हुए जिला प्रशिक्षण अधिकारी विकास कुमार ने कहा कि शिविर में चालक व परिचालों को जीवनदायनी विधि सीपीआर, रिकवरी पॉजिशन, सांप काटने पर सहायता, स्ट्रॉक के समय दी जाने वाली फर्स्ट एड, फ्रेक्चर में स्लैब लगाना, मरीज को ट्रांसपोर्टेशन देना, रक्त स्त्राव रोकने की जानकारी देने के साथ स्ट्रेचर, बैंडेज बांधने की जानकारी दी।

भिवानी। स्कूल बस चालक व परिचालकों को प्राथमिक उपचार व सीपीआर का प्रशिक्षण देते जिला प्रशिक्षण अधिकारी विकास कुमार।

प्राथमिक उपचार का ज्ञान होना जरूरी

विकास ने कहा कि समय रहते घायल को प्राथमिक उपचार मिल जाए तो उसका जीवन बचाया जा सकता है तथा ये तभी संभव होगा, जब प्रत्येक जन को प्राथमिक उपचार का ज्ञान हो। स्कूल प्राचार्य पंकज मिश्रा ने रैडक्रॉस की सराहनीय मुहिम की प्रशंसा करते हुए रैडक्रॉस के अधिकारियों व कर्मचारियों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि चालक व परिचालकों को ऐसा प्रशिक्षण दिया जाना बहुत जरूरी है, इससे हादसा होने पर अधिक से अधिक बच्चों की जान बचाई जा सकती है।

भूपसिंह सोनी बने महाराज अजमीढ़ जी स्वर्णकार विकास ट्रस्ट के प्रधान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

महाराज अजमीढ़ जी स्वर्णकार विकास ट्रस्ट की बैठक सेक्टर 14 स्थित धर्मशाला में हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रधान विजय कुमार बिट्टू सोनी ने की। इसमें धर्मशाला के नए प्रधान व कार्यकारिणी के चुनाव बारे विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में सभी ने सर्वसम्मति से भूपसिंह लावट को प्रधान चुना। इसी तरह अंजनी सोनी को महासचिव व कृष्ण देवाल को कोषाध्यक्ष चुना गया। चयन के बाद सभी ट्रस्टीगणों ने भूपसिंह लावट को पगड़ी पहनाकर व मिठाई खिलाकर बधाइयां दी। भूपसिंह लावट के प्रधान बनने पर पवन लांबा ने धर्मशाला निर्माण के लिए एक लाख का चेक भूप सिंह लावट व उनकी नई कार्यकारिणी को सौपा।

इस अवसर पर महाराज अजमीढ़ जी स्वर्णकार विकास ट्रस्ट के संरक्षक रामनिवास रोड, संस्थापक प्रधान छत्रपाल सोनी, पूर्व प्रधान रणबीर सोनी, रोशन लाल, लीलाधर सोनी, कृष्ण, देवला सरपंच, विक्रम सोनी, सरपंच मानसिंह, राजेंद्र सोनी, सतीश सोनी, छोटूराम रोडा, धर्मपाल, सहदेव, डॉक्टर सुरेंद्र सोनी, सुभाष रोडा, जगमिंदर सोनी, धर्मपाल बुटन, महावीर प्रसाद, मास्टर जगदीश चंद्र, सहदेव, रामेश्वर रोडा, विजेंद्र वर्मा, डॉ. कल्याण सिंह सोनी, राजेंद्र सोनी, बलवंत देवाल सहित सभी ट्रस्टी व गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

धनौंदा में सगे भाई को कढ़ाई मारकर सिर फोड़ा

कनीना। धनौंदा गांव में बड़े भाई ने छोटे भाई से मारपीट कर कढ़ाई से उसका सिर फोड दिया। वहीं उसकी पत्नी से भी मारपीट की। इस बारे में संदीप वासी धनौंदा ने बताया कि उसका बड़ा भाई पवनजीत उर्फ लड्डू आए दिन गाली-गलोच कर मारपीट करता है। पीड़ित ने बताया कि 26 अप्रैल को जब वह किसी कार्य से घर से बाहर निकला तो शराब के नशे में उसके भाई पवनजीत ने रास्ता रोक लिया और गाली-गलोच की। बचाव के लिए वह अपने घर आ गया। पीछे से पवनजीत भी उनके घर आ गया तथा मारपीट करने लगा। उसकी पत्नी खाना बना रही थी।

परचून की दुकान से 130 ग्राम गांजा बरामद

कनीना। शहर थाना पुलिस ने सिहोर में छापेमारी कर एक परचून की दुकान से 130 ग्राम गांजा बरामद किया है। इस बारे में शहर थाना इंचार्ज इंस्पेक्टर सुधीर कुमार ने बताया कि सूचना पर पुलिस टीम ने छापेमारी की। परचून की दुकान के संचालक की ओर से नशीला पदार्थ बेचा जा रहा था। कागजी कार्रवाई पूरी करने के बाद ड्यूटी मैजिस्स्टे ईटीओ विक्रांत यादव की उपस्थित में दुकानदार को काबू कर तलाशी ली, तो गांजा बरामद हुआ। जिसका वजन 130 ग्राम मिला। गांजा बेचने के आरोपित दुकानदार की पहचान सुरेश कुमार वासी सिहोर के रूप में हुई। पुलिस ने दुकानदार के खिलाफ केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

अवैध हथियार के साथ युवक किया गिरफ्तार

मंडी अटेली। अटेली पुलिस ने एक युवक को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार कर उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट का मामला दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार पुलिस को मुखबिर के माध्यम से सूचना मिली कि एक युवक गांव कटकई के बस अड्डा पर बोलेरो गाड़ी में अवैध हथियार के साथ खड़ा हो, जो किसी घटना को अंजाम देने की फिराक में है। पुलिस ने सूचना के आधार पर जब दबिश दी तो कटकई निवासी विनोद उर्फ रवि को देशी कट्टा के साथ गिरफ्तार कर उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया।

बार-बार शिकायत करने पर भी नहीं हो रहा समाधान

लीकेज के कारण हजारों लीटर पानी हो रहा बर्बाद, सड़कें टूटी

लीकेज के कारण रोजाना सड़क पर हो रहे गड्ढों से किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा विभाग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी/बवानीखेड़ा

भिवानी। दिनोद गेट इलाके में सड़क पर जमा पानी व बवानीखेड़ा बस अड्डे के पास जमा पानी। फोटो : हरिभूमि

वैसे तो पूरे जिले में करीब एक दर्जन जगहों पर पीने के पानी की लाइन लीकेज है। जिसकी वजह से रोजाना हजारों लीटर पीने का पानी व्यर्थ में बह जाता है। हालांकि इस बारे में कई बार पब्लिक हेल्थ विभाग के अधिकारियों से शिकायत की,लेकिन आज तक उनकी इस समस्या का समाधान नहीं हो पाया है। यही स्थिति बवानीखेड़ा इलाके की बनी है। वहां पर भी लाइन लिकेज होने की वजह से रोजाना सैकड़ों लीटर पानी व्यर्थ में बह रहा है। वैसे तो शहर में अनेक जगहों पर पीने के पानी की लिकेज है। सबसे ज्यादा पानी की लिकेज दिनोद गेट इलाके में बनी है। यहां पर करीब तीन से चार जगहों पर पाइप लाइन लिकेज है। लाइन लिकेज की वजह से सुबह सवेरे पानी की सप्लाई आने के वक्त पानी सड़कों फैल जाता है। इसी तरह की स्थिति हनुमान ढाणी इलाके में बनी है। यहां पर रोजाना हजारों लीटर पानी सड़कों पर बह रहा है। विगत में हनुमान ढाणी इलाके के लोगों ने पब्लिक हेल्थ विभाग के अधिकारियों से कई बार शिकायत की,लेकिन हर बार उनको आश्वासन देकर टाला जा रहा है। यही स्थिति शहर के अन्य इलाकों की बनी है।

सामान्य बस स्टैंड पर पानी की पाइप लाइन लिकेज

बवानी खेड़ा के सामान्य बस स्टैंड के सामने हांसी.भिवानी मुख्य मार्ग पर पीने के पानी की पाइप लाइन लिकेज होने से जहां लोगों को काफी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है वहीं विभाग द्वारा बनाई गई करोड़ों की लागत से सड़क भी क्षतिग्रस्त हो रही है। लेकिन जन स्वास्थ्य विभाग लीकेज कारण रोजाना सड़क पर हो रहे गड्ढों से किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है। दुकानदारों व आमजन में राजेश कुमारए गुलशनए महेशए दिवानए सुमित्राए बलबीरए मैना आदि ने बताया कि सामान्य बस स्टैंड के बाहर हांसी.भिवानी मुख्य मार्ग पर पाइप लाइन तीन जगह लिकेज है और जब पानी की सप्लाई आती है तो यहां पर गहरे गड्ढे.बन जाते हैं व पानी एकत्रित हो जाता है। सड़क पर गहरे गड्ढे.बनने लग गए है। इस बारे में जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के कर्मचारियों को भी सूचित किया गया है लेकिन कोई कार्यवाही अमल में नहीं लाई गई।

होगा समाधान

इस बारे में विभाग के कनिष्ट अभियंता सचिन कौशिक ने बताया कि मामला उनके संज्ञान में है जल्द ही इस समस्या का समाधान करवाया जाएगा।

बहल। जेईई मैंस परीक्षा में सफलता हासिल करने वाले एमिनेंज क्लासेज के विद्यार्थी संस्थान स्टाफ के साथ। फोटो : हरिभूमि

जेईई मैंस परीक्षा में एमिनेंज क्लासेज के विद्यार्थियों ने किया शानदार प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहल

जेईई मैंस की परीक्षा में एमिनेंज क्लासेज के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन किया है। संस्थान के पांच विद्यार्थियों ने 95 प्रतिशत से ऊपर परसेंटाइल अर्जित किए है। वहीं पांच विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से ऊपर अंक हासिल किए है।

विद्यार्थियों की सफलता पर संस्थान निदेशक अभिनंदन व आलोक ने विद्यार्थियों को बधाई दी है। परिणाम में विनित ने 99 प्रतिशत, चिंकी व हिमांशु ने 97 फीसदी, ऋषि व रजनीश ने 96 फीसदी, अंकिता ने 94.20 फीसदी, सचिन व नवदीप ने 93 फीसदी, प्रियंका ने 92 फीसदी, आर्यन ने 91 प्रतिशत, पंकज ने 86 प्रतिशत, इशांत ने 84.5 व योगेश ने 84 प्रतिशत अंक हासिल कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। संस्थान निदेशक अभिनंदन व आलोक ने बताया कि एमिनेंज क्लासेज का हर वर्ष की तरह शानदार परिणाम रहा है, जो क्षेत्र के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है, जिसके लिए विद्यार्थी व स्टाफ बधाई के पात्र है।

कैलाश नगर में किया श्रीश्याम का जागरण

नारनौल। श्रीश्याम आस्था मंडल के तत्वावधान में कैलाश नगर रेवाड़ी रोड पर मानसिंह सैनी के निवास स्थान पर श्रीश्याम बाबा का जागरण किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल के प्रधान हरिओम गर्ग ने की। सुरेश सोनी ने बाबा का भाग्य दरबार रंग बिरंगी लाइट व फूलों से सजाया। आचार्य योगेश शर्मा ने मुख्य यजमान मानसिंह सैनी व सरोज सैनी से परिवार सहित बाबा की पवित्र ज्योत प्रज्ज्वलित करवाकर व सतीश राणा ने गणेश वंदना करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

लड़कियां शिक्षित होकर दो परिवारों का नाम रोशन करती: परमार

- महाराणा प्रताप महिला महाविद्यालय में फेयरवेल पार्टी का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। फेयरवेल पार्टी में छात्राओं को पुरस्कृत करते अतिथि। फोटो : हरिभूमि

महाराणा प्रताप महिला महाविद्यालय में फेयरवेल पार्टी का आयोजन किया,जिसमें बतौर मुख्य अतिथि संस्था के अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक शशिरंजन परमार पहुंचे तथा विशिष्ठ अतिथि चौधरी बंसीलाल कॉलेज फॉर वूमेन तोशाम के प्रिंसिपल डॉ. मंजीत सिंह रहे। निर्णायक मंडल की भूमिका में डॉ. सुरेंद्र चौहान, डॉ. बलवान सिंह, डॉ. विनय शर्मा ने भूमिका निभाई। मंच संचालन बीए द्वितीय वर्ष की हर्षिता व श्वेता ने किया। बच्चों ने रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति पेश कर अपने अभिनय से मेहमानों का मनमोह लिया।

पूर्व विधायक ने कहा कि लड़कियां पढ़ लिखकर अपना और समाज का नाम रोशन करती हैं और शिक्षित होकर अपने पैरों पर खड़ी होती हैं वो दो परिवारों का नाम रोशन करती हैं। प्राचार्य डॉक्टर मंजीत सिंह ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि छात्राएं जिस संस्था में पढ़ती है, वह वहां पर अपना अधिकार मानती है, क्योंकि वहां से उनके उज्जवल भविष्य की नींव रखी जाती है और उनके कॉलेज के प्रति एक विशेष लगाव होता है। प्रिंसिपल डॉ. विक्रम परमार ने मेहमानों का अभिनंदन किया।

रूपाला की अभद्र टिप्पणी के विरोध में उतरे लोग

- क्षत्रिय समाज को किसी ना किसी माध्यम से टारगेट कर रही है भाजपा
- गांव .गांव घूमकर भाजपा की क्षत्रिय विरोधी सोच को करेंगे उजागर :नेत्रपाल तंवर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

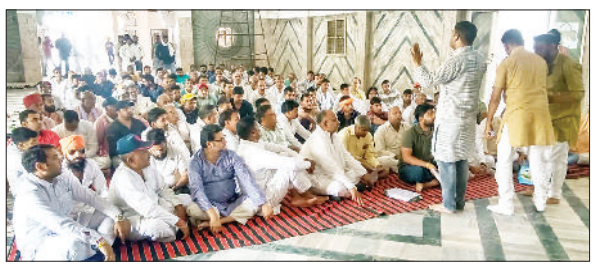

भिवानी। आयोजित बैठक में लोगों को संबोधित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

राजकोट से भाजपा प्रत्याशी पुरूषोत्तम रूपाला द्वारा राजपूत समाज पर की गई अभद्र टिप्पणी के विरोध में रविवार को राजपूत समाज का गुस्सा फूटा तथा उन्होंने रोहतक गेट स्थित राजपूत धर्मशाला के समक्ष नारेबाजी करते हुए पुरूषोत्तम रूपाला का विरोध जताया। इससे पूर्व राजपूत धर्मशाला में राजपूत समाज की एक बड़ी पंचायत भी आयोजित हुई, जिसमें भिवानी.महेंद्रगढ़ व हिसार लोकसभा क्षेत्र के तहत आने वाले विभिन्न गांवों के ग्रामीणों ने हिस्सा लिया। पंचायत की शुरुआत रुपाला के बयान से शुरू होकर भाजपा के पूर्णतयः विरोध पर जाकर सहमति बनी। राजकोट से भाजपा प्रत्याशी पुरूषोत्तम रूपाला का विरोध जताते हुए नेत्रपाल तंवर ने कहा कि बीते दिनों पुरूषोत्तम रुपाला ने देश के गौरव कहे जाने वाले क्षत्रिय महापुरुषों पर गलत टिप्पणी की व राजा महाराजाओं को अंग्रेजों का गुलाम बताया था। जो कि राजपूत समाज का सरासर अपमान है। जिसे वे कभी बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा लगातार क्षत्रिय समाज को किसी ना किसी माध्यम से टारगेट कर रही है। गुजरात में रुपाला का विरोध कर रहे राजपूत नेताओं को हिरासत में लिया तथा पगडिय़ां उछाली गई। वही महिलाओं को भी जबरन गिरफ्तार उनके साथ अभद्र व्यवहार किया गयाए जो कि बर्दाश्त के बाहर है। नेत्रपाल तंवर ने कहा कि हरियाणा में पिछले साल कैथल में भी भाजपा सरकार द्वारा शांतिपूर्वक धरना दे रहे समाज के लोगों पर लाठियां चलाई बरसाई गई थी। उन्होंने कहा कि राजपूत समाज के सब्र का बांध अबटूट चुका है। उन्होंने चेतावनी दी कि भाजपा को इसका जवाब चुनाव में दिया जाएगा। साथ ही उन्होंने कहा कि राजपूत समाज एक कमेटी बनाकर गांव.गांव जाकर समाज व सहयोगी समाज के लोगों को भाजपा की क्षत्रिय विरोधी सोच के बारे जागरूक करेगा। इस अवसर पर सुरेंद्र ईटीओ, अमन तंवर राघव, वीरेंद्र तंवर, रमेश परमार सरपंच कलिंगा, राकेश तंवर, प्रेम सरपंच रणकोली, जगदीश सरपंच सांजरवास,सतबीर सांगा पार्षद प्रतिनिधि, नरेंद्र चौहान पार्षद, अजय सिंह लोहानी, नेत्रपाल तंवर, कर्मबीर तंवर, पवन ठाकुर, अभिषेक तंवर, कैप्टन सुरेश परमार, सूर्या तंवर, पवनजीत परमार बौंद, सतेंद्र खरक, जोगिंद्र कैरू, तेजपाल तंवर, राहुल तंवर, पंकज सरपंच खेड़ी तलवाना, अनुपाल तिगड़ाना, बिनिया बवानीखेड़ा, विनोद जाटू लोहारी आदि मौजूद रहे।

'लक्ष्य के प्रति एकाग्रता से आगे बढ़ें'

- वैश्य महाविद्यालय भिवानी के कैमेस्ट्री विभाग द्वारा स्वपोषित कोर्स एमएससी कैमेस्ट्री के प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों द्वारा सत्र पूरा करने वाले फ इनल वर्ष के विद्यार्थियों के लिए किया गया विदाई समारोह का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। प्रतिभाओं को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

विद्यार्थी अपने अध्ययन काल में शैक्षणिक एवं अन्य विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से अर्जित गए ज्ञान व अनुभव के आधार पर अपने लक्ष्य के प्रति एकाग्रता से आगे बढ़ते हुए अपने बेहतर भविष्य की और आगे बढ़े यह बात स्थानीय वैश्य महाविद्यालय भिवानी के कैमेस्ट्री विभाग द्वारा स्वपोषित कोर्स एम एस सी कैमेस्ट्री के प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों द्वारा सत्र पूरा करने वाले फाइनल वर्ष के विद्यार्थियों के लिए के लिए प्राचार्य डॉ. संजय गोयल के सानिध्य एवं कैमेस्ट्री विभागाध्यक्ष सविता जैन के मार्गदर्शन में आयोजित विदाई समारोह के अवसर पर विधार्थियों को संबोधित करते हुए वैश्य महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजय गोयल ने कही। उन्होनें कहा कि विद्यार्थी राष्ट्र निर्माण में अहम भूमिका निभा सकते हैं ।कैमेस्ट्री विभागाध्यक्ष श्रीमती सविता जैन ने अपने उद्बोधन में विधार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि विद्यार्थियों ने अपने विषय से संबंधित जो शिक्षा ग्रहण की है उसी का अनुसरण करते हुए वे आगे बढ़े। विदाई का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. संजय गोयल द्वारा रिबन काट कर किया गया।

मेडिकल कैंप में 247 लोगों का स्वास्थ्य जांचा

चरखी दादरी। मॉडल दादरी जिला बनाओ संगठन ने गांव डोहका व उण में मेडिकल कैंपों का आयोजन किया। कैंप की अध्यक्षता रामनिवास शर्मा व अजीत ने की। बतौर मुख्यतिथि ओमप्रकाश व रतिराम ने शिरकत की। कैंपों में आई केयर व आई क्यू के चिकित्सकों ने सेवाएं दी, जिसमें आंख व सामान्य रोग के रोगियों की जांच की गई। कैंपों में 247 मरीजों की जांच कर निःशुल्क दवाई दी। संगठन के युवा विंग अध्यक्ष अधिवक्ता अनिल साहू ने कहा कि उनका प्रयास है कि ग्रामीणों को गांव में ही अच्छी चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवाई जाए। इस अवसर पर लख्मीचंद, बिन्नू, महताब, विरेंद्र, विकास, हरप्रकाश, राजेद्र शर्मा, मुंशीश, चंद्रभान, हरकेश, विमलजीत यादव, कर्ण सिंह, राजकरण तंवर, नवीन गोलू, शिव सागर, सचिन, पवन, अजय, अनिल पंडित, पालाराम, सुमित आदि उपस्थित थे।

श्याम बाग श्मशान भूमि सुधार सभा ने की सफाई

- गंदगी से दूर रहते हुए स्वच्छता अपनाकर बचा जा सकता है बहुत सी बीमारियों से : चावला
- स्वच्छता अभियान को अपनाकर ही किया जा सकता है स्वच्छ वातावरण का निर्माण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। श्याम बाग की सफाई करते हुए। फोटो : हरिभूमि

अपने आस-पास के माहौल को स्वच्छ बनाने एवं लोगों को स्वच्छता अपनाने की तरफ प्रेरित करने के उद्देश्य से श्याम बाग शमशान भूमि सुधार सभा एवं रेल अंडरपास महापंचायत द्वारा संयुक्त रूप से रविवार को दिनोद रोड़ पर स्थित श्याम बाग 'मशान भूमि में सफाई अभिान चलाया। अभियान का नेतृत्व श्याम बाग श्मशान भूमि सुधार सभा के प्रधान राधाकृष्ण चावला ने किया।

इस मासिक सफाई अभियान में अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। इस मौके पर श्याम बाग श्मशान भूमि सुधार सभा के प्रधान राधाकृष्ण चावला ने कहा कि मासिक सफाई अभियान के माध्यम से लोगों को स्वच्छता का महत्व समझाया जाता है। उन्होंने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य लोगों को यह बताना है कि गंदगी ही अनेकों बीमारियों की जननी है। ऐसे में गंदगी से दूर रहकर व स्वच्छता अपनाकर हम बहुत सी बीमारियों से बच सकते है। मासिक सफाई अभियान के अंतर्गत विभिन्न स्थानों की सफाई की जाती है। महापंचायत संयोजक रोहताश वर्मा ने कहा कि श्याम बाग में मासिक सफाई अभियान एक महत्वपूर्ण कदम है।

भिवानी। त्रिवेणी रोपित करती 92 वर्षीय भगवानी देवी। फोटो : हरिभूमि

92 वर्षीय भगवानी देवी ने लगाए पौधे

भिवानी। मानवीय क्रियाकलापों के कारण पृथ्वी के तापमान में लगातार वृद्धि हो रही है, जिसके भयानक दुष्परिणाम भी भुगतने पड़ रहे है। इस समस्या का समाधान हम सभी मिल-जुलकर ही कर सकते है, ऐसे में पर्यावरण संरक्षण को अपनी जिम्मेदारी समझते हुए प्रत्येक व्यक्ति को अधिक से अधिक पौधरोपण कर उनके संरक्षण का संकल्प लेना चाहिए। ये बात 92 वर्षीय भगवानी देवी व त्रिवेणी बाबा ने गांव निमड़ीवाली की व्यायाशाला में त्रिवेणी रोपित के दौरान कही। उन्होंने कहा कि पृथ्वी हमारी मां है, इसकी ममता के आंचल मे प्रत्येक नर-नारी के जीवन की रचना होती है, इसके बावजूद भी मनुष्य ने पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मदारी को सही से नहीं निभाया, जिसका परिणाम आज पर्यावरण असंतुलन के रूप में देखा जा सकता है। कार्यक्रम के संयोजक पर्यावरण प्रहरी हवलदार लोकराम नेहरा ने युवाओं से आह्वान किया कि वे पृथ्वी को बचाने के लिए आगे आते हुए पौधरोपण मुहिम में युद्ध स्तर पर जुटे, ताकि हम आने वाली पीढ़ियों को जहरीली हवा व बीमारियों से बचा पाएं। इस अवसर पर शंकर नर्सरी संचालक चंद्रमोहन, वेदपाल, छोटो बाई, राजेश नंबरदार आद मौजूद रहे।

भाजपा व जजपा पर किसान, मजदूर व व्यापारी की अनदेखी का आरोप

भाजपा की 30 की रैली से खाप व संगठनों ने किया किनारा

- जनता को रैली से दूरी बनाने का किया आह्वान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

खाप व संगठनों की बैठक को संबोधित करते प्रधान बलवंत नंबरदार। फोटो : हरिभूमि

सर्वजातीय सर्वखाप एवं संगठनों की पंचायत बाबा स्वामी दयाल परिसर में फौगाट खाप के प्रधान बलवंत सिंह नंबरदार की अध्यक्षता में हुई। पंचायत में पदाधिकारियों ने 30 अप्रैल को दादरी में आयोजित भाजपा रैली का बहिष्कार करने का निर्णय लिया। आम जनता को भी रैली से दूरी बनाने की अपील की। फौगाट खाप सचिव सुरेश फौगाट ने बताया कि पंचायत का मुख्य उद्देश्य 30 अप्रैल को दादरी में होने वाली मुख्यमंत्री की रैली का विरोध करने पर सहमति लेना था, जिसमें सर्वसम्मति से विरोध करने का फैसला लिया है।

वहीं गांवों में भी भाजपा व जजपा नेताओं की सभा से किनारा किया जाएगा। वक्ताओं ने कहा कि पिछले 10 सालों में भाजपा सरकार ने किसानों, मजदूरों, कर्मचारियों व छोटे व्यापारी के साथ अन्याय किया है, जिनका खामियाजा भाजपा को भुगतना पड़ेगा। किसान 13 महीनों तक सड़कों पर पड़े रहे, किसी नेता ने समर्थन नहीं किया। दर्जनों किसान शहीद हो गए, किसी नेता ने सहानुभूति का एक शब्द नहीं बोला, जब वोट की जरूरत होती है तब जनता की बीच आते हैं, अब ऐसे नेताओं व पार्टी को सबक सिखाया जाएगा।

सर्वखाप व संगठनों की आम सभा में लिए जाएंगे कड़े एवं अहम निर्णय: इस दौरान चिड़िया खाप के प्रधान राजबीर शास्त्री, बिजेंद्र बेरला प्रधान, राजकुमार हड़ोदी, हवेली खाल से प्रभु राम गोदारा, महावीर सिंह रानीला, खाप फौगाट के उपप्रधान धर्मपाल महाराणा, खाप प्रवक्ता शमशेर सिंह, राजकरण सरपंच, प्रीतम चेयरमैन, राजेंद्र घिकाड़ा, योगेश इमलोटा आदि ने अपने विचार रखें। फोगाट ने कहा कि खापों एवं संगठनों के पदाधिकारियों से अनुरोध है कि मीटिंग में जो फैसले लिए हैं, उनपर अमल किया जाए। पांच मई को दादरी जिले की सर्वखाप व संगठनों की सभा में 36 बिरादरी के लोग हिस्सा लेकर कड़े एवं अहम निर्णय लेंगे।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर बिजेंद्र संगवान, सुरेंद्र फौजी, सतीश सांगवान, अजीत मिर्च, मास्टर रघबीर श्योराण, ईश्वर दातौली, संतकुमार, राज हकीकत, राजपाल, कृष्ण छिल्लर, बलमत रानीला, जगबीर सिंह सतगामा खाप, बबलू महाराणा, मुंशीराम डॉ. चंदन सिंह, डॉ. अमित कुमार, महिपाल फोगाट, बलबीर सिंह फोगाट, सीता राम फोगाट, राजबीर सिंह, ईश्वर रावलधी, उदयवीर आदि उपस्थित रहे।

शिक्षा संस्कार चरित्र निर्माण
कोचिंग के क्षेत्र का बड़ा नाम.....
आर्यन कोचिंग सैन्टर
'विश्वास का दूसरा नाम'
नये बैच शुरू | 12th के बाद नौकरी-कॉमन बैच
CUET S.S.C.
अग्निवीर C.E.T.
रेलवे N.D.A.
अनुभवी अध्यापक | नोटस पैकेज | शानदार रिजल्ट
पता : पारस वाली गली (च. दादरी) नजदीक बस स्टैण्ड
9416330206, 9050035973